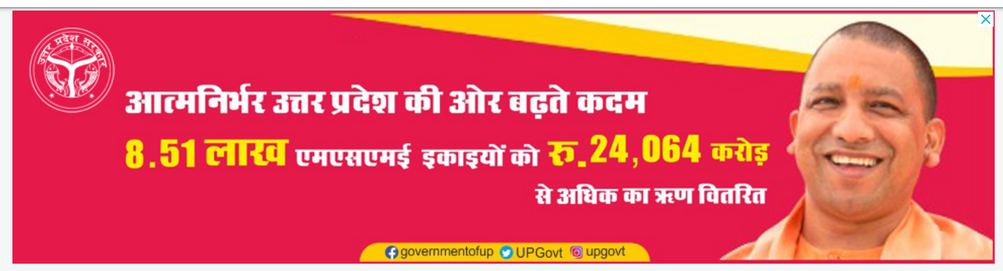

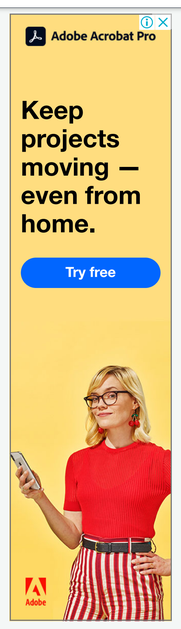

'महिलाओं के साथ पुरुषों में भी आत्मविश्वास जगाना होगा हमें'

हाल ही मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट आई थी, जिसके मुताबिक महिलाओं को कोविड-19 से जुड़ी आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का सामना सबसे ज्या

By: santosh
Published: 17 Oct 2020, 09:48 PM IST Jaipur, Jaipur, Rajasthan, India

रोहिणी निलेकणी, संडे गेस्ट एडिटर

हाल ही मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट आई थी, जिसके मुताबिक महिलाओं को कोविड-19 से जुड़ी आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का सामना सबसे ज्यादा करना पड़ा है। उसकी वजह यही है कि वे लैंगिक भेदभाव का शिकार सबसे ज्यादा होती हैं लेकिन लैंगिक भेदभाव ने कोविड से जन्म नहीं लिया है।

यह परिस्थिति इसलिए है कि आज भारत के 20 करोड़ नौजवान आजाद तो हैं लेकिन उनमें से अधिकतर अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। ज्यादातर संपूर्ण रूप से शिक्षित नहीं हैं। उनके पास रोजगार के सीमित संसाधन हैं और इन कठिनाइयों का सामना करने के लिए वे किसी सहारे की तलाश में हैं। दुर्भाग्य से, इन सब चीजों की कुंठा ये नौजवान कभी-कभी स्त्रियों पर निकाल देते हैं। यदि हम चाहते हैं कि पुरुष अपनी समस्याओं का सामना कर पाएं, तो पहले उनकी समस्याओं को गहराई से समझना होगा।

हम पुरुषों पर अपने बहुत सारे विचार थोप देते हैं, जैसे कि उन्हें मजबूत होना होगा, कमाने वाला बनना होगा और किसी भी हाल में सफल होना होगा। छुटपन से ही, हम लड़कों को कहते हैं कि रोना लड़कियों का काम है। जब वो थोड़ा बड़े होते हैं, वो सुनते हैं कि मर्द को दर्द नहीं होता। उनकी मनोस्थिति से उनके घर पर कोई वाकिफ नहीं होता। उन्हें अपने साथियों के सामने अपनी मर्दाना छवि प्रस्तुत करनी होती है और सब कुछ ठीक होने का दिखावा करना पड़ता है। इन सब चीजों का किशोरों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

अगर हम एक अच्छा समाज और समृद्ध देश चाहते हैं, तो हमें पहले इन 20 करोड़ नागरिकों की जरूरतों पर ध्यान देना होगा। उन्हें भी सुने जाने का, देखभाल का, शिक्षित और सशक्त होने का पूरा हक है। लड़कों के लिए सकारात्मक रोल मॉडल्स होने चाहिए औऱ उनके पास खुद को व्यक्त करने का विकल्प होना चाहिए। क्या नागरिक सामाजिक संगठन एक ऐसा सुरक्षित मॉडल बना सकते हैं, जहां लड़के बिना हिचकिचाए एक-दूसरे से बात कर सकें, अपनी परेशानी साझा कर सकें? जैसे महिलाओं के पास आज स्वयं सहायता समूह होते हैं। एक संतुलित समाज के लिए हमें महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों के आत्मविश्वास को उभारना होगा।

इसके मायने यह नहीं है कि हम महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर किए जा रहे कार्यों को कमतर आंके या उन्हें रोक दें। यह भी उतना ही जरूरी है और जारी रहना चाहिए लेकिन इसके साथ महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए किशोरों और युवाओं का सशक्तीकरण करना क्यों आवश्यक है, इसे एक उदाहरण से समझते हैं। आपने एक महिला को सशक्त कर दिया लेकिन शादी होकर वो एक ऐसे परिवार में जाती है, जहां पुरुष दकियानूसी सोच रखते हैं, तो सोचिए क्या होता है?

ऐसे में उस महिला के पास दो ही रास्ते रह जाते हैं, पहला वह विद्रोह कर दे या शायद वह भी अपनी आधुनिक सोच को पीछे छोड़ दे। दोनों ही स्थितियां घातक हो सकती हैं। सोचिए, अगर उस घर के पुरुष सदस्यों का आत्मविश्वास ऊंचा हो और वे प्रगतिशील सोच रखते हों तो दोनों मिलकर परिवार का कितना भला कर सकते हैं।

मैं कुछ दिलचस्प संस्थाओं के साथ इस विषय पर काम कर रही हूं और चाहती हूं कि प्रत्येक घर इस काम में सहयोग करे। एक ऐसे देश में, जहां की आबादी का 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा नौजवान हैं, हमें इस विषय को गति देने की जरूरत है। हर घर में चर्चा होनी चाहिए कि महिला और पुरुष, दोनों को अपनी मानवीय क्षमता हासिल करनी है तो घर में किस प्रकार का वातावरण होना चाहिए?

एक बच्चे की जीवन प्रायोजक करें

Download PPT Infographics
PowerPoint Infographic Templates
Infograpia.com

coronavirus Patrika Sunday Guest editor rohini nilekani Sunday Guest editor women rights

santosh

और पढ़े

RELATED STORY

IAS नीरज के पवन भी कोरोना पॉजिटिव, कल बिगड़ी थी सेहत

राजस्थान के इन चार जिलों के लिए अच्छी खबर, झटपट होगा

जयपुर जिले में यहां पंचायत चुनाव के बाद फिर से हुआ कोरोना

विशेषज्ञों की सलाह, नेगेटिव आने के बाद भी रहें सतर्क, भारी

अब पाइए अपने शहर (Jaipur News in Hindi) सबसे पहले पत्रिका वेबसाइट पर | Hindi News अपने मोबाइल पर पढ़ने के लिए डाउनलोड करें Patrika Hindi News App, Hindi Samachar की ताज़ा खबरें हिंदी में अपडेट पाने के लिए लाइक करें Patrika फेसबुक पेज

राजस्थान पत्रिका लाइव टीवी

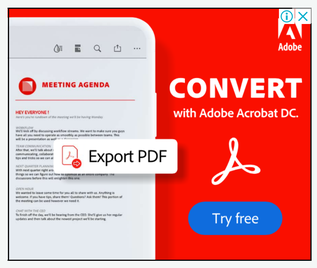

खबरें शानदार 1 / 12

प्रिंसेस डायना नही थी अपनी शादी से खुश, करना चाहती थी आत्महत्या जानें उनसे जुड़ी कुछ यादें

Live Desk और पढ़ें

अधिकतम सहायता: सीएम
Bangalore 5 minutes ago

- तेलंगाना: हैदराबाद में फिर बारिश ने फिर ढाया कहर, दो लोगों की मौत
  Miscellenous India 7 minutes ago
- बड़वानी मंडी में लगातार तीन सालों से घटती जा रही है सफेद सोने की आवक
  Barwani 8 minutes ago

संबंधित वीडियो और पढ़ें

नहीं हुई कोरोना की जांच और रिपोर्ट आ गयी निगेटिव

कोरोना वायरस के बीच गंदगी से अटा पड़ा शहर

जिला कारागार में करीब दो दर्जन कैदी और पुलिस कर्मी कोरोना

VIDEO: मास्क ना लगाने वालों के खिलाफ शुरु हुई चालानी कार्रवाई

VIDEO: गृहमंत्री ने कहा- मास्क से क्या होता है, मैं नहीं पहनता हूं

अपनी ईमेल पर पायें ताज़ा ख़बरें
Email Address

हमारी वेबसाइट पर कंटेंट का प्रयोग जारी रखकर आप हमारी गोपनीयता नीति और कूकीज नीति से सहमत होते हैं।
OK